कक्षा - 'पाँचवी'
विषय - हिंदी सुबोध

पाठ - 1 कविता 'हम'

हम प्रभात की नई किरण बन,
नई ज्योति लिखाएँगे।
कण - कण को, तृण - तृण को,
मोती - माणिक - सा चमकाएँगे।

हम तरू - तरू के नए सुमन बन,
उपवन सजाएँगे।
नूतन मधु, मकरंद, सुरभि के,
कण सर्वत्र लुटाएँगे।

'हम' कविता का आशय :- हम अर्थात् सभी मनुष्य मिलकर किस प्रकार धरती को सुंदर व हरा - भरा बनाकर धरती का श्रृंगार कर सकते हैं। तथा धरती के द्वारा किस प्रकार मनुष्य जीवन को हरियाली युक्त बना सकते हैं।

मौखिक - कार्य :-
- कविता को लय - सहित पढ़े।
- कठिन शब्द कण्ठस्थ करें।

लिखित - कार्य :-
- शब्दार्थ, कठिन शब्दों का श्रुतलेख करें।
- कविता का मूल - भाव स्पष्ट कीजिए।

हिंदी व्याकरण

पाठ - 1 भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण

भाषा :- जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भाव बोलकर या लिखकर दूसरो तक पहुँचाता है, भाषा कहलाती है।

भाषा के रूप

- मौखिक
- लिखित

बोली :- भाषा के क्षेत्रीय रूप को 'बोली' कहते हैं।

लिपि : भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

क. पृ. प.

Scanned with CamScanner

व्याकरण : 'व्याकरण' भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाता है।

व्याकरण के विभाग

- वर्ण-विचार
- शब्द-विचार
- वाक्य-विचार

लिखित कार्य : भाषा, बोली, लिपि व्याकरण को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

निम्नलिखित की लिपि लिखिए।

हिंदी
संस्कृत
उर्दू
पंजाबी
अंग्रेजी

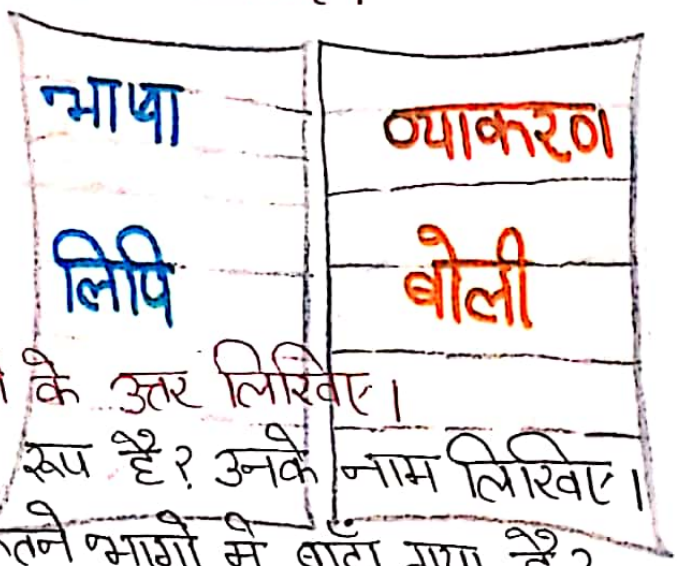

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) भाषा के कितने रूप हैं? उनके नाम लिखिए।
2) व्याकरण को कितने भागों में बाँटा गया है?
3) व्याकरण से हम क्या सीखते हैं?

नोट : कार्य स्वच्छतापूर्वक करें।

कार्य पिछली कक्षा की कॉपी में करें।
विद्यालय खुलने के उपरांत यह कार्य जाँचा जाएगा।

Scanned with CamScanner